अटल विचार संगोष्ठी का आयोजन कर शुरू हुआ सुशासन सप्ताह

भिलाईनगर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की याद में छ.ग. में सुशासन सप्ताह 19 दिसम्बर से 25 दिसम्बर 2024 तक मनाया जा रहा है। इसी के संदर्भ में अटल विचार संगोष्ठी का आयोजन आज निगम सभागार में आयोजित की गई। जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी जी की कविताए उनके विचार, अटल इरादे, विश्व हित, देश हित, समाज हित में किये गये कार्यो को याद किया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने उनको याद करते हुए बताया, कि मुझे बचपन में उनके भाषण, उनके विचारो को सुनने का अवसर मिला। इतने अच्छे राष्ट्र हित में हाजीर जवाबी प्रखरवक्ता जिसका पक्ष–विपक्ष सभी दलो द्वारा सम्मान किया जाता हो, ऐसे बिरले लोग ही होते है। सुशासन सप्ताह का सही अर्थ यह होगा कि निगम के अधिकारीध्कर्मचारी अपने दायित्वो का सुगमता से निर्वहन करें। जनता के प्रति जवाबदेह रहे, सबसे प्रेम और सम्मानपूर्वक बाते करें। अपने कार्यो को समय पर पूर्ण करें। हम यह बात सोचे की हमें जो वेतन मिल रहा है, उसी से हमारा धर चल रहा है। उसके प्रति दिल में जवाबदेही होना चाहिए। निगम वह जगह है, जहां जन्म प्रमाण पत्र से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र तक जारी किया जाता है। जनता से जुड़े सभी कार्यो को हमे करना चाहिए। संगोष्ठी के दौरान विचार रखने वाले कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह द्वारा स्व रचित अटल बिहारी वाजपेयी जी पे कविता सुनाई गई। उनमेश साहू ने अटल जी की कविता हार नहीं मानूगा–रार नहीं ठानुगां को सुनाये। शरद दुबे ने अटल बिहारी जी की याद में उनके विचारो का मनन किये कि अटल जी किस प्रकार से अपने इरादे में अटल रहते थे, कविताओं के शब्द बहुत ही प्रेरणादायक होते थे एवं निर्णय लेने में उसका अनुसरण करना चाहिए। जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी जी पहले व्यक्ति थे, जो संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर हिन्दी में भाषण दिये थे, छ.ग. राज्य के निर्माता अटल जी ही है। अंत में आयुक्त पाण्डेय ने सभी अधिकारीध्कर्मचारियो को अटल विचार संगोष्ठी सुशासन सप्ताह के अवसर पर की पर अधिकारी कर्मचारी एवं नागरिकों को शपथ दिलाये। संगोष्ठी में उपस्थित अधिकारी मुख्य अभियंता भागीरथ वर्मा, अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, डी.के.वर्मा, जोन आयुक्त अजय कुमार सिंह, येशा लहरे, सतीश यादव, कुलदीप गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, लेखाधिकारी चंद्रकांत साहू सहित जोन के स्वास्थ्य अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, सभी विभाग के प्रमुख अधिकारी कर्मचारी एवं आम नागरिक सहभागी बने।